मल्टीबैगर स्टॉक ने 3 साल में 31 गुना किया पैसा : फोकस लाइटिंग एंड फिक्स्चर का शेयर 17 से 548 रु पर पहुंचा, 3050प्रतिशत रिटर्न दिया

मुंबई। फोकस लाइटिंग एंड फिक्स्चर लिमिटेड के शेयर ने पिछले कुछ सालों में अपने निवेशकों को बंपर रिटर्न दिया है। इस मल्टीबैगर स्टॉक ने अपने निवेशकों को पिछले 3 साल में 3050प्रतिशत और 6 महीने में 112प्रतिशत का शानदार रिटर्न दिया है।

शेयर 17 से 548 रु पर पहुंचा – मई 2020 में फोकस लाइटिंग एंड फिक्स्चर के एक शेयर की कीमत महज 17.40 रुपए थी, जो अब बढ़कर 520 रुपए के भाव पर पहुंच गई है। इसका मतलब है कि तीन सालों में ही निवेशकों का पैसा करीब 31 गुना हो गया है।

1 लाख का बना 31 लाख – अगर आपने 3 साल पहले इस शेयर में 1 लाख रुपए निवेश किए होते तो आज आपकी रकम बढ़कर करीब 31 लाख रुपए हो जाती। वहीं पिछले 1 साल में इसके शेयर ने 530प्रतिशत से ज्यादा का रिटर्न दिया है।

हालांकि, पिछले कुछ समय से फोकस लाइटिंग एंड फिक्स्चर के शेयर में गिरावट देखने को मिल रही है। पिछले एक महीने में इसका शेयर 10प्रतिशत से ज्यादा टूट चुका है। हालांकि, लॉन्ग टर्म में इसने अपने निवेशकों को बंपर रिटर्न दिया है।

कंपनी का मार्केट कैप 680 करोड़ – फोकस लाइटिंग एंड फिक्स्चर का शेयर 5प्रतिशत गिरकर 521.15 रुपए पर आ गया है। इसका मार्केट कैपिटलाइजेशन 680 करोड़ रुपए है। एक्सपर्ट्स को उम्मीद है कि इसके शेयर में आगे तेजी देखने को मिल सकती है।

मार्च तिमाही में प्रॉफिट 53प्रतिशत बढ़ा – मार्च 2023 तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 53प्रतिशत बढ़कर 5.38 करोड़ रुपए हो गया है, जबकि पिछले साल की समान तिमाही में कंपनी को 3.51 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ था। मार्च तिमाही में सेल्स 16.63प्रतिशत बढ़कर 40.89 करोड़ रुपए हो गई, जो 2022 की मार्च तिमाही में 35.06 करोड़ रुपए थी।

एफवाय 23 में नेट प्रॉफिट 389प्रतिशत बढ़ा – हालांकि, तिमाही आधार पर कंपनी का मुनाफा 48.47प्रतिशत घट गया है। वहीं बिक्री में भी 32.79प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। पूरे एफवाय 23 में कंपनी का नेट प्रॉफिट 389.64प्रतिशत बढ़कर 23.16 करोड़ रुपए हो गया है। एफवाय 23 में कंपनी को 4.73 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ था।

क्या काम करती है कंपनी– फोकस लाइटिंग एंड फिक्स्चर्स लिमिटेड लाइट एमिटिंग डायोड लाइट्स और फिक्सचर्स बनाने और बेचने का काम करती है।

न्यूज ब्रीफ

चीन में अधिक गाड़ियों की बिक्री बनी मुसीबत, प्रदूषण पर लगाम कसने के लिए सरकार उठा रही ये कदम

नई दिल्ली। चीन दुनिया का सबसे बड़ा वाहन बाजार है। इसके साथ ईवी में भी इस देश ने ये तमगा हासिल कर लिया है। अधिक संख्या में वाहनों का उपयोग होने के कारण चीन में प्रदूषण भी एक बड़ी समस्या बन गई है, जिस पर नकेल कसने के लिए चीनी सरकार ने एक बड़ा फैसला लिया है और एक नया नियम बनाया है। चीन की इकोलॉजी और एनवायरनमेंट मिनिस्ट्री की ओर से लिए गए निर्णय के मुताबिक, अब वाहनों के लिए रियल टाइम उत्सर्जन टेस्ट को जरूरी कर दिया गया है, जब वास्तविकता में वाहन को चलाया जा रहा हो। वहीं, चीन ने उन वाहनों की बिक्री, आयात और मैन्यूफैक्चरिंग पर रोक लगाने का फैसला किया है, जो कि नेशनल उत्सर्जन मानकों को पूरा नहीं करते हैं। चीनी मंत्रालय की ओर से उन वाहनों की बिक्री के लिए छह हफ्ते का समय दिया गया है, जो कि नेशनल उत्सर्जन मानकों को पूरा नहीं करते हैं। फिच रेटिंग की ओर से मार्च में इसे लेकर कहा गया था कि उत्सर्जन मानकों को कड़ा करने से वाहन निर्माताओं और डीलर पर दबाव पड़ेगा, जिस कारण आने वाले समय में हमें नेशनल उत्सर्जन मानकों को न पूरा करने वाले वाहनों पर काफी अधिक डिस्काउंट देखने को मिल सकता है। चीन के ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, नए उत्सर्जन मानकों को न पूरा करने वाले वाहनों को बेचने के लिए ग्रेस पीरियड दिया गया है। मार्च के अंत तक चीन में नेशनल उत्सर्जन मानकों को न पूरा करने वाले करीब 20 लाख से अधिक वाहन थे। चीन में इस ग्रेस पीरियड के बढ़ने की संभावना काफी कम है। जैसा कि पिछले समय में देखा गया था।

अदाणी ट्रांसमिशन को बोर्ड ने दी बाजार से एक अरब डॉलर जुटाने की मंजूरी, इक्विटी शेयर बेचने की योजना

नई दिल्ली । अदाणी समूह की ट्रांसमिशन कंपनी को इसके बोर्ड ने बाजार से एक अरब डॉलर (85 अरब रुपये) जुटाने की मंजूरी दी है। इस संबंध में कंपनी ने कहा, अदाणी ट्रांसमिशन योग्य संस्थागत क्रेताओं (क्यूआईबी) व दूसरे मान्य तरीकों से इक्विटी शेयर बेचकर धन जुटाने की योजना बना रहा है। इसके साथ ही कंपनी के प्रवक्ता ने बताया कि समूह की प्रमुख कंपनी अदाणी एंटरप्राइजेज लि. और इसकी नवीकरणीय-ऊर्जा शाखा अदाणी ग्रीन एनर्जी लि. को भी धन जुटाने के प्रस्तावों पर विचार करने के लिए बोर्ड की बैठक आयोजित करनी थी, लेकिन ये बैठकें फिलहाल 24 मई तक स्थगित कर दी गई हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक तीनों कंपनियों के जरिये अदाणी समूह कुल 5 अरब डॉलर जुटाना चाहता है। जनवरी में अदाणी समूह के खिलाफ अमेरिकी शॉर्ट सेलिंग कंपनी हिंडनबर्ग ने कई तरह के आरोप लगाए थे, जिसके बाद समूह की तमाम कंपनियों के शेयरों के मूल्यों में भारी गिरावट आई थी।

जाली नोट मामले में कथित संलिप्तता के आरोप में एनआईए ने एक को किया गिरफ्तार, 12 तलवार भी बरामद

नई दिल्ली । राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने कहा कि महाराष्ट्र के नौपाड़ा में दर्ज 2021 के जाली नोट मामले में कथित संलिप्तता के लिए एक और व्यक्ति को 12 तलवारों के साथ गिरफ्तार किया गया है।

संघीय एजेंसी के एक प्रवक्ता ने बताया कि राज्य भर में कई स्थानों पर दो दिनों की तलाशी के बाद मोहम्मद फयाज शिकिलकर नाम के तीसरे व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारी ने बताया कि शिकिलकर को 12 धारदार तलवारें और अन्य आपत्तिजनक सामग्री रखने के आरोप में हिरासत में लिया गया है। प्रवक्ता ने कहा, एनआईए की जांच से पता चला है कि आरोपी नकली नोटों के प्रसार रैकेट से जुड़ा था और डी-कंपनी के संपर्क में था। एनआईए ने कहा कि छह स्थानों पर आरोपियों और संदिग्धों के घरों और कार्यालयों की तलाशी के दौरान बरामद सामग्रियों के आधार पर मुंबई निवासी 33 वर्षीय शिकिलकर को गिरफ्तार किया गया। इस मामले में मुंबई के रियाज और नासिर नाम के दो लोग पहले से ही न्यायिक हिरासत में हैं। उनके पास से 2,000 रुपये के जाली नोट जब्त किए गए थे।

फोल्डेबल फोन बाजार में सैमसंग को प्रतिस्पर्धा का करना पड़ रहा सामना

सियोल । दक्षिण कोरियाई टेक दिग्गज अपने सबसे गंभीर प्रतियोगी गूगल का सामना कर रही है। कंपनी ने इस सप्ताह अपने वार्षिक डेवलपर सम्मेलन के दौरान बहुप्रतीक्षित पिक्सेल फोल्ड, अपना पहला फोल्डेबल स्मार्टफोन पेश किया।

गूगल ने कहा कि फोन अभी प्रीऑर्डर के लिए उपलब्ध है और अगले महीने शिपिंग शुरू कर देगा। 1,799 डॉलर पिक्सेल फोल्ड की सबसे बड़ी अपील इसकी मोटाई है। एक रिपोर्ट के अनुसार सैमसंग के गैलेक्सी जेड फोल्ड 4: 12.1 मिलीमीटर बनाम 15.8 मिमी की तुलना में थोड़ा पतला है। खुलेहोने पर 7.6 इंच की स्क्रीन के साथ फिट, फोन
फोल्डेबल में अब तक की सबसे बड़ी 4,821 एमएएच बैटरी के साथ आता है, जो सैमसंग की 4,400 एमएएच बैटरी से बड़ी है।

तो यह स्वाभाविक रूप से सैमसंग के फोन से थोड़ा भारी है: 283 ग्राम बनाम 263 ग्राम। जबकि सैमसंग फोल्डेबल सेगमेंट में एक कठिन दौड़ का सामना कर रही है, अधिक प्रतिस्पर्धा का अर्थ एक बड़ा और अधिक रचनात्मक पारिस्थितिकी तंत्र और व्यापक बाजार को अपनाना भी है। अपने पहले फोल्डेबल फोन के लिए गूगल ने पिक्सल के बड़े डिस्प्ले के लिए अपने स्वयं के 50 से अधिक एप्लिकेशन को अनुकूलित किया। इसने अन्य ऐप डेवलपर्स को भी ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित करने के प्रयासों के तहत उस मोर्चे पर अपने प्रयासों को जारी रखने का भी वादा किया। सैमसंग का लक्ष्य फोल्डेबल फोन के हिस्से को बढ़ाना है, जिसे पहली बार 2019 में पेश किया गया था, 2025 तक इसकी कुल स्मार्टफोन बिक्री का आधा हिस्सा, और उन्हें गैलेक्सी एस फ्लैगशिप सीरीज और प्रीमियम सेगमेंट में एक प्रमुख श्रेणी के साथ कंपनी का एक और स्तंभ बनाना है। बाजार विशेषज्ञों के मुताबिक पिछले साल दुनिया भर में फोल्डेबल फोन की बिक्री में सैमसंग की हिस्सेदारी करीब 77 फीसदी रही।

पिछले साल 4 सितंबर को, कंपनी द्वारा अपने चौथी पीढ़ी के फोल्डेबल फोन का अनावरण करने के कुछ ही दिनों बाद सैमसंग ने कहा कि एक सफल फोल्डेबल फोन के लिए दो मुख्य तत्वों की जरूरत होती है एक

लचीला और फोल्डेबल डिस्प्ले और फोल्डिंग और अनफोल्डिंग ऑपरेशंस के लिए एक मजबूत हिंज। यूरोप के सबसे बड़े टेक शो के मौके पर बर्लिन में एक प्रेस ब्रीफिंग के दौरान सैमसंग के मोबाइल एक्सपीरियंस डिवीजन में फ्लैगशिप प्रोडक्ट आरएंडडी टीम के प्रमुख चोई वोन-जून ने कहा कि फोल्डेबल फोन सिर्फ नए फॉर्म फैक्टर और तकनीकी उन्नति के बारे में नहीं हैं। मेरा मानना है कि हमें उपयोगकर्ताओं को अद्वितीय और मूल्यवान अनुभव देना चाहिए, जो उन्हें किसी अन्य स्मार्टफोन से नहीं मिल सकता है। उन्होंने कहा कि टिकाऊपन से समझौता किए बिना अधिक कॉम्पैक्ट और लाइटवेट हिंज बनाना एक बड़ी चुनौती थी। गूगल की हिंज प्रणाली स्क्रीन के दो हिस्सों को पूरी तरह से मोड़ने की अनुमति देती है, बंद होने पर कोई छोटा अंतर नहीं छोड़ती है। गूगल ने यह भी कहा कि इसमें स्टेनलेस स्टील से बना सबसे टिकाऊ काज है, जिसे 200,000 तक खोलने और बंद करने का परीक्षण किया गया है।

17 मई को लॉन्च होगा संचार साथी पोर्टल: चोरी या गुम हुए मोबाइल को ब्लॉक और ट्रैक कर सकेंगे, आईएमईआई नंबर बदलने पर भी ये सिस्टम काम करेगा

नई दिल्ली। वर्ल्ड टेलीकॉम डे के मौके पर 17 मई को सरकार मोबाइल ब्लॉकिंग एंड ट्रैकिंग सिस्टम शुरू करेगी। न्यूज एजेंसी के अनुसार, केंद्रीय दूरसंचार मंत्री अश्विनी वैष्णव को ऑफिशियल तौर पर संचार साथी पोर्टल लॉन्च कर इसकी शुरुआत करेंगे। इसके जरिए लोग चोरी या गुम हुए फोन को ब्लॉक और ट्रैक कर पाएंगे। सेंटर फॉर डिपार्टमेंट ऑफ टेलीमैटिक्स अभी दिल्ली, महाराष्ट्र, कर्नाटक और नॉर्थ ईस्ट रीजन के कुछ टेलीकॉम ऑफिस में इस सिस्टम का पायलट प्रोजेक्ट चला रहा है, जो अब पूरे भारत में रोल आउट होने के लिए तैयार है। चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर और चेयरमैन राजकुमार उपाध्याय ने न्यूज एजेंसी को बताया कि मोबाइल ब्लाकिंग एंड ट्रैकिंग सिस्टम पूरे भारत में शुरू होने के लिए तैयार है। इसे इस तिमाही में पूरे भारत में शुरू किया जाएगा। इससे लोग अपने खोए या चोरी हुए मोबाइल फोन को ब्लॉक और ट्रैक कर सकेंगे। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि सिस्टम में एक इन-बिल्ट मैकेनिज्म है जो मोबाइल की स्मगलिंग की जांच भी करेगा। हालांकि, उन्होंने कंफर्म डेट नहीं बताई है कि यह कब शुरू होगा। अभी क्रिमिनल्स ज्यादातर मोबाइल चोरी करने के बाद डिवाइस का आईएमईआई नंबर बदल देते हैं, जिसके कारण मोबाइल ट्रैक या ब्लॉक नहीं हो पाता था। राजकुमार उपाध्याय ने बताया कि ये पोर्टल आईएमईआई नंबर बदलने के बाद भी डिवाइस को ट्रैक और ब्लॉक कर सकेगा।

2025 में एशिया-प्रशांत क्षेत्र में 5जी कनेक्शन बढ़कर हो जाएगा 3.2 अरब

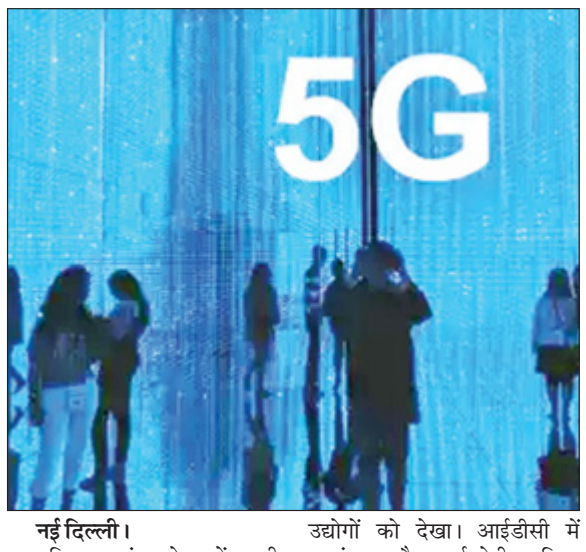

नई दिल्ली। एशिया-प्रशांत क्षेत्र में 5जी कनेक्शन, मोबाइल सब्सक्राइबर और आईओटी कनेक्शन 2021 में 574 मिलियन से बढ़कर 2025 में 3.2 बिलियन हो जाएंगे। एक नई रिपोर्ट के अनुसार यह पांच साल की 87.9 प्रतिशत वार्षिक चक्रवृद्धि वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़ रहा है।

इंडस्ट्रियल इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईआईओटी) दूरसंचार सेवा प्रदाताओं द्वारा एशिया-प्रशांत क्षेत्र में 5जी सेवाओं को शुरू करने के महत्वपूर्ण कारणों में से एक है।

आईडीसी के अनुसार, एशिया-प्रशांत में लगभग 12.4 प्रतिशत दूरसंचार वाहक उत्तरदाताओं ने आईआईओटी को 5जी परिनियोजन के शीर्ष कारणों में से एक माना है।

अधिकांश दूरसंचार वाहक कंपनियों ने 5 जी की शुरुआत के लिए सबसे महत्वपूर्ण उपयोग मामलों के रूप में विनिर्माण, स्मार्ट गतिशीलता वाले स्मार्ट शहरों और स्मार्ट इमारतों सहित महत्वपूर्ण उद्योगों को देखा। आईडीसी में दूरसंचार और आईओटी, एशिया पैसिफिक के वरिष्ठ बाजार विश्लेषक पीयूष सिंह ने कहा, डिजिटलीकरण और कनेक्टिविटी के माध्यम से एक हरित, कम कार्बन भविष्य में बदलाव संभव होगा। उद्योग 4.0 में अवधारणाओं में से एक दक्षता ऊर्जा की बचत के बराबर है। सिंह ने कहा कि ऊर्जा बचाने के लिए अनेक संगठन अंततः दक्षता बढ़ाते हैं। पूरे एशिया-प्रशांत में विनिर्माण सुविधाओं ने परिसर में उपकरणों के विभिन्न टुकड़ों को नियंत्रित करने के लिए निजी या समर्पित नेटवर्क लागू किए हैं। अस्थिर वायरलेस संचार और विलंबता किसी भी फर्म में डिजिटल परिवर्तन को अपनाने में बाधा हैं, जिन्हें 5जी की मदद से हल किया जा सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि आईओटी उपकरणों के लिए बहुत भरोसेमंद संचार की आवश्यकता होती है, जो निजी 5जी नेटवर्क के माध्यम से भी आसानी से प्रदान किया जा सकता है।

एफडी निवेशकों के लिए खुशखबरी, बैंक ऑफ बड़ौदा ने किया ब्याज दरों में इजाफा, मिल रहा तगड़ा फायदा

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ बड़ौदा की ओर से फिक्स्ड डिपॉजिट की ब्याज दरों में इजाफा किया गया है। बैंक द्वारा ब्याज दरों में 0.30 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। इस बढ़ोतरी के बाद बैंक द्वारा पेश की जाने वाली 399 दिनों की स्पेशल एफडी बड़ौदा तिरंगा प्लस डिपॉजिट स्कीम पर सामान्य निवेशकों को 7.25 प्रतिशत और वरिष्ठ नागरिकों को 7.75 प्रतिशत की ब्याज दी जा रही है। बैंक की वेबसाइट के अनुसार, एफडी की नई दरें 12 मई, 2023 से लागू हो गई हैं।

सामान्य नागरिकों के लिए एफडी की ब्याज दरें

- 7 दिनों से लेकर 45 दिनों तक – 3 प्रतिशत
- 46 दिनों से लेकर 180 दिनों तक – 4.50 प्रतिशत
- 181 दिनों से लेकर 210 दिनों तक – 5.25 प्रतिशत
- 211 दिनों से लेकर एक साल के कम पर – 5.75 प्रतिशत
- 1 साल से लेकर 2 साल तक – 6.75 प्रतिशत
- 2 साल एक दिन से लेकर 3 साल तक – 7.05 प्रतिशत
- 3 साल एक दिन से लेकर 10 साल तक – 6.50 प्रतिशत
- 399 दिनों की एफडी पर – 7.25 प्रतिशत

वरिष्ठ नागरिकों के लिए एफडी की ब्याज दरें

- 7 दिनों से लेकर 45 दिनों तक – 3.50 प्रतिशत
- 46 दिनों से लेकर 180 दिनों तक – 5.00 प्रतिशत
- 181 दिनों से लेकर 210 दिनों तक – 5.75 प्रतिशत
- 211 दिनों से लेकर एक साल के कम पर – 6.25 प्रतिशत
- 1 साल से लेकर 2 साल तक – 7.25 प्रतिशत
- 2 साल एक दिन से लेकर 3 साल तक – 7.55 प्रतिशत
- 3 साल एक दिन से लेकर 5 साल तक – 7.15 प्रतिशत
- 5 साल एक दिन से लेकर 10 साल तक – 7.50 प्रतिशत

बिहार में पेट्रोल-डीजल महंगा, उत्तर प्रदेश में भी बढ़े भाव

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया गया है। डब्ल्यूटीआई क्रूड 70.04 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। वहीं 74.17 डॉलर पर बिक रहा है। देश में तेल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के ताजा भाव जारी कर दिए हैं। भारत में हर सुबह 6 बजे ईंधन के दामों में संशोधन किया जाता है। जून 2017 से पहले कीमतों में संशोधन हर 15 दिन के बाद किया जाता था। बिहार में पेट्रोल 43 पैसे और डीजल 40 पैसे महंगा हो गया है। इसी तरह पश्चिम बंगाल में पेट्रोल की कीमत 46 पैसे और डीजल का दाम 43 पैसे बढ़ गया है।

महाराष्ट्र में पेट्रोल-डीजल क्रमशः 20 और 21 पैसे महंगा हुआ है। इसके अलावा उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु और पंजाब में भी पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़े हैं। दूसरी ओर हिमाचल प्रदेश में पेट्रोल 88 पैसे और डीजल 78 पैसे सस्ता हो गया है। मध्य प्रदेश में भी पेट्रोल की कीमत 38 पैसे और डीजल की कीमत 36 पैसे घट गई है। चेन्नई में भी पेट्रोल-डीजल क्रमशः 10 और 9 पैसे सस्ता हुआ है।

दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.76 रुपए और डीजल 89.93 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में पेट्रोल 96.26 रुपए और डीजल 89.45 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.62 रुपए और डीजल 89.81 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपए और डीजल 94.04 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

तेल-तिलहन बाजार में गिरावट का रुख रहा

नई दिल्ली । दिल्ली तेल-तिलहन बाजार में ज्यादातर तेल-तिलहन कीमतों में गिरावट का रुख रहा। सरसों तिलहन, मूंगफली तेल तिलहन, सोयाबीन तिलहन तथा सोयाबीन दिल्ली एवं सोयाबीन इंदौर तेल और बिनौला तेल के भाव गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी ओर सस्ते आयातित तेलों की वजह से कमजोर मांग के बीच सरसों तेल, सोयाबीन डीगम तेल, कच्चा पामतेल (सीपीओ) और पामोलीन तेल की कीमतें पूर्वस्तर पर बनी रहीं। बाजार के जानकार सूत्रों ने बताया कि नवंबर 2021 से अप्रैल 2022 तक के छह महीनों में देश में खाद्य तेलों का आयात 67.07 लाख टन था। यह आंकड़ा नवंबर 2022 से अप्रैल 2023 तक रिकॉर्ड बढ़त के साथ लगभग 81.1 लाख टन हो गया। इसकी मुख्य वजह, सूरजमुखी तेल के दाम में भारी गिरावट आना है। दूसरी ओर सूरजमुखी तेल से महंगा होने की वजह से मांग कमजोर रहने के कारण कच्चा पामतेल (सीपीओ) और पामोलीन तेल का आयात अप्रैल में अपने पिछले महीने के मुकाबले लगभग 31 प्रतिशत घटा है। आगे इस तेल में और गिरावट संभव है। सबसे सस्ता खाद्यतेल होने के कारण मार्च 2023 के मुकाबले अप्रैल में

सूरजमुखी तेल (सॉफ्ट आयल) का आयात लगभग 68 प्रतिशत बढ़ा है। यह आयात ऐसे समय बढ़ा जब देश में सरसों की फसल तैयार हो गई थी। तेल-तिलहन की कीमतें इस प्रकार रहीं- सरसों तिलहन 4,915-5,015 (42 प्रतिशत कंडीशन का भाव) रुपए प्रति क्विंटल, मूंगफली 6,640-6,700 रुपए प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल मिल डिलिवरी (गुजरात) 16,460 रुपए प्रति क्विंटल, मूंगफली रिफाइंड तेल 2,475-2,740 रुपए प्रति टिन, सरसों तेल दादरी 9,250 रुपए प्रति क्विंटल, सरसों पक्की घानी 1,585-1,665 रुपए प्रति टिन, सरसों कच्ची घानी 1,585-1,695 रुपए प्रति टिन, तिल तेल मिल डिलिवरी 18,900-21,000 रुपए प्रति क्विंटल, सोयाबीन तेल मिल डिलिवरी दिल्ली 10,240 रुपए प्रति क्विंटल, सोयाबीन मिल डिलिवरी इंदौर 10,130 रुपए प्रति क्विंटल, सोयाबीन तेल डीगम, कांडला 8,550 रुपए प्रति क्विंटल, सीपीओ एक्स-कांडला 8,850 रुपए प्रति क्विंटल, बिनौला मिल डिलिवरी (हरियाणा) 8,850 रुपए प्रति क्विंटल, पामोलिन आरबीडी, दिल्ली- 10,150 रुपए प्रति क्विंटल, पामोलिन एक्स- कांडला- 9,200 रुपए (बिना जीएसटी के) प्रति क्विंटल, सोयाबीन दाना 5,325-5,375 रुपए प्रति क्विंटल, सोयाबीन लूज 5,075-5,155 रुपए प्रति क्विंटल और मक्का खल (सरिस्का) 4,010 रुपए प्रति क्विंटल।

वित्तीय नेतृत्व का मुद्रास्फीति नियंत्रण व आपूर्ति श्रृंखला पर जोर, चीन का खुलेतौर पर जिक्र नहीं

निगाता। इस तीन दिनी वार्ता में सभी ने स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों के विकास के लिए स्थिर और विविध आपूर्ति श्रृंखलाओं के निर्माण में सहयोग के लिए विश्व स्तर पर आर्थिक लचीलापन बढ़ाने की प्रतिबद्धता भी जताई। वित्तीय नेतृत्व ने अगले सप्ताह हिरोशिमा में जी-7 नेताओं शिखर सम्मेलन के लिए एक आधार तैयार किया, जिसमें अमेरिकी ऋण सीमा पर संकट के बावजूद राष्ट्रपति बाइडन शामिल हो सकते है। जी-7 के वित्तीय नेतृत्व ने वर्ष के अंत तक वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता लाने के लिए एक योजना पर सहमति व्यक्त की। यह योजना ऊर्जा सुरक्षा की सुरक्षा में योगदान देगी। मसौदा विज्ञप्ति में कहा गया कि हम बैंकिंग प्रणाली में डाटा, पर्यवेक्षी और नियामक अंतराल को भी शामिल करेंगे। वर्तमान अध्यक्ष जापान ने आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता और बीजिंग पर उनकी भारी निर्भरता को घटाने पर जोर दिया।

मेसर्स दैनिक नईदुनिया के लिए प्रकाशक अपूर्व तिवारी के द्वारा 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, भोपाल- 462011 से प्रकाशित एवं मुद्रक डॉ. विश्वास तिवारी के द्वारा नईदुनिया प. प्रा.लि., 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, भोपाल-462011 से मुद्रित। प्रबंध संपादक: डॉ. सुरेन्द्र तिवारी एवं संपादक: अपूर्व तिवारी। * फोन-0755-2550900-01,-03, फैक्स नं.- 0755-2553914 e-mail : naidunia@gmail.com (* समाचार पत्र से संबंधित सभी प्रकार के विवादों के लिए न्याय क्षेत्र सिर्फ भोपाल होगा।) रजिस्टर्ड नं.म.प्र./296/भोपाल/2012-2014 आर.एन.आई. रजि. क्र. 47694/88, डाक पंजीयन क्र. म.प्र./भोपाल/296/2015-2017